



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 124]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 30, 1992/आषाढ़ 9, 1914

No. 124]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 30, 1992/ASADHA 9, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना सं. 23 (पी एन)/92-97

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जून, 1992

फा.सं. आई पी सी/4/5(269)/92-97.—निर्यात आयात नीति  
1992-97 के पैरा 16 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते  
हुए मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात एतद्वारा प्रक्रिया पुस्तक 1992-97  
में निम्नलिखित संशोधन करते हैं :

1. अध्याय 4, पैरा 19 में तीसरे वाक्य के बाद निम्नलिखित को  
जोड़ा जाएगा :—

“जहां कहीं लाइसेंस की समाप्ति की तिथि महीने की अंतिम  
तिथि से पहले पड़ती हो वहां लाइसेंस महीने के अंतिम दिन तक  
वैध माना जाएगा।”

2. अध्याय 4, पैरा 21 में निम्नलिखित को पैरा के अंत में जोड़ा  
जाएगा :—

“तथापि मुक्त रूप से हस्तांतरणीय आयात लाइसेंस के मामले  
में कोई अनुलिपि प्रति जारी नहीं की जाएगी।”

3. अध्याय 5, पैरा 28 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा  
जाएगा :—

लॉग, दालचीनी और तेजपात के आयात के लिए लाइसेंस  
की मंजूरी के लिए आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने  
चाहिए :—

- (1) आवेदन शुल्क के भुगतान के लिए बैंक रसीद;
- (2) 1990-91 या 1991-92, जो भी हो, में प्राप्त किए गए  
आयात लाइसेंस की फोटो प्रति;
- (3) पूर्ववर्ती वर्ष में मंजूर किए गए लाइसेंस के संबंध में निर्यात  
दायित्व पूरा करने का माध्यम अर्थात् :—  
(क) आवेदक के नाम में विदेशी मुद्रा की वसूली का बैंक  
प्रमाण पत्र, और  
(ख) मूल रूप में पोत परिवहन बिल (निर्यात संवर्धन प्रति)
- (4) लाइसेंस की मंजूरी के लिए आवेदन पत्र लाइसेंस वर्ष की  
31 जनवरी को या उससे पहले लाइसेंस प्राधिकारी को पहुंच  
जाना चाहिए।

4. अध्याय 5 पैरा 30 में प्रथम और द्वितीय वाक्यों के स्थान पर  
निम्नलिखित वाक्य रखे जाएंगे :—

“लॉग, दालचीनी और तेजपात के आयात के लिए लाइसेंस  
1990-91 या 1991-92 में जारी किए गए लाइसेंस के मूल्य,  
इनमें जो भी अधिक हो, के 90 प्रतिशत की सीमा तक इस शर्त

के अधीन जारी किए जा सकते हैं कि पूर्ववर्ती वर्ष में मंजूर किए गए आयात लाइसेंस के मूल्य के दो गुने के लिए निर्यात दायित्व पूर्ण किया गया हो। लाइसेंस की मंजूरी के लिए साथ साथ ली गयी सभी तीनों मर्कों का कुल न्यूनतम लागत बीमा-भाड़ा मूल्य प्रत्येक लाइसेंस के मामले में 5000/- रुपये से अधिक नहीं होगा। इस कुल मूल्य के भीतर, तीनों मर्कों के आयात के लिए हकदारी की समानुपात से लाइसेंस में निदिष्ट किया जाएगा।

5. अध्याय 5 पैरा 45 में, "2.5 प्रतिशत" आंकड़े को "10 प्रतिशत" किया जाएगा।

6. अध्याय 5 पैरा 80 में आरम्भ के शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे जाएंगे :

"आयात करने पर वृद्धिपूर्ण या प्रयोग के लिए अन्य प्रकार के अनुपयुक्त या जो आयात के बाद अतिप्रस्त हो गया हो उसका निर्यात किया जा सकता है, और उसकी एजजी में विदेशी संभरक द्वारा मुफ्त में माल सप्लाई किया जा सकता है या समुद्री बीमे के मददे आयात किया जा सकता है या बीमा कम्पनी द्वारा तय किए गए समुद्र-सह-उत्थान बीमा दावा के मददे आयात किया जा सकता है। सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा ऐसे माल की निकासी किसी आयात लाइसेंस के बिना की जाएगी बशर्ते कि :

7. अध्याय 5, पैरा 98 में खण्ड (9) के बाद निम्नलिखित खण्ड जोड़ा जाएगा —

"तकनीकी और व्यापार नमूने

(10) मुफ्त में सप्लाई किए गए वास्तविक तकनीकी और व्यापार नमूने, जिनमें सब्जियों के बीज, मधुमक्खियां और नई औषधियां शामिल हैं, जो एक खेप में 30,000 रुपये लागत बीमा भाड़ा मूल्य से अधिक न हो, किसी व्यक्ति द्वारा।

चाय के तकनीकी और व्यापार नमूने

(11) मुफ्त में सप्लाई किए गए चाय के वास्तविक तकनीकी और व्यापार नमूने एक खेप में अधिक से अधिक 2,000 रुपये लागत बीमा भाड़ा मूल्य तक चाय उद्योग से संबंधित किसी व्यक्ति द्वारा, चाय बोर्ड कलकत्ता की सिफारिश पर जो निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किए जाने हैं।

आदि रूप/नमूने :

(12) वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) या माय्यता प्राप्त अनुसंधान और विकास के संस्थान जो उस मद के उत्पादन या अनुसंधान में पहले से लगे हों जिसके उत्पादन, विकास या अनुसंधान जो भी हो, के लिए आदि रूप/नमूने की आवश्यकता है, द्वारा एक वर्ष में अधिकतम 5 नए आदि रूपों/नमूनों का आयात, सीमाशुल्क प्राधिकारियों को इस संबंध में संतुष्टिप्रद स्वचोपणा देने पर।"

8. अध्याय 6, पैरा 102 में शब्द "जमानती" के स्थान पर "गारंटी" शब्द रखा जाएगा।

9. अध्याय 6 में पैरा 106 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा :—

"ई पी सी जी स्कीम के तहत लाइसेंस का धारक कोई व्यक्ति किसी घरेलू विनिर्माता से पूंजीगत माल प्राप्त कर सकता है जो कि शुल्क छूट स्कीम के तहत विशेष अप्रदाय लाइसेंस प्राप्त कर सकता है। घरेलू विनिर्माता से ऐसी सप्लाई प्राप्त करने के लिए प्रक्रिया और अन्य शर्तें नीचे दी जाती हैं :—

(क) ई पी सी जी लाइसेंस धारक और घरेलू विनिर्माता के बीच पक्का ठेका किया जाएगा और इस संबंध में दोनों पार्टियों

के बीच पत्रों का आदान प्रदान किया जाएगा/ई पी सी जी लाइसेंस धारक ऊपर पैरा 102 में यथा निर्धारित निर्वात आभार को पूर्ण करने के लिए एक अतिप्रति सह गारंटी बाण्ड भी लाइसेंस प्राधिकारी के साथ निष्पादित करेगा,

(ख) मामले पर इस पुस्तक के पैरा 109 में उल्लिखित लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विचार किया जाएगा,

(ग) ई पी सी जी लाइसेंस धारक इस पुस्तक के अध्याय 10 में निदिष्ट प्रक्रिया के अनुसार देशीय रिलीज आर्डर जारी करने के लिए आवेदन कर सकता है। आवेदन के साथ (1) ई पी सी जी लाइसेंस धारक और देशीय संभरक के बीच हुई संबिदा की फोटो प्रति और (2) उनके द्वारा निष्पादित किए गए अतिप्रति सह-गारंटी बाण्ड का साक्ष्य होगा।

10. अध्याय 7, पैरा 108 में

(1) खण्ड (2) के अन्त में आने वाला शब्द "और" हटा दिया जाएगा।

(2) खण्ड (3) को निम्नलिखित खण्ड द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :

"नीति के पैराग्राफ 56 के खण्ड (1) से (5) और (7) के द्वारा शामिल की गई श्रेणियों के लिए विशेष अप्रदाय लाइसेंसों के मामले में परिशिष्ट 18 में दिए गए प्रपत्र में परियोजना प्राधिकार प्रमाण पत्र", और

(3) निम्नलिखित खण्ड को खण्ड (5) के रूप में जोड़ा जाएगा :—

"(5) नीति के पैराग्राफ 56 के खण्ड (6) द्वारा शामिल की गई श्रेणी के लिए ई पी सी जी लाइसेंसधारी और घरेलू विनिर्माता के बीच हुए ठेके की फोटो प्रति सहित मूल देशी रिलीज आदेश।"

11. अध्याय 7 पैराग्राफ 120 में "अग्रिम लाइसेंस" शब्दों के स्थान पर "शुल्क मुक्त लाइसेंस" शब्द रखे जाएंगे।

12. अध्याय 7 पैराग्राफ 127 उप पैराग्राफ (4) में "हस्तांतरणीयता की उपयुक्त सुविधा होते हुए भी प्रथम लाइसेंसधारी लाइसेंस में उल्लिखित तकनीकी विशेषताओं के तहत आयातित माल के साथ निर्यात किए गए माल से सहयोजित करने के लिए उत्तरदायी होगा। वह लाइसेंस की शर्तों के किसी अतिक्रमण के लिए उत्तरदायी होगा" शब्दों को हटा दिया जाएगा।

13. अध्याय 8 में पैराग्राफ 139 को निम्नलिखित पैराग्राफ द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

"नीति के पैराग्राफ 84 के अंतर्गत थोक आयात लाइसेंसों को किसी ऐसे अन्य निर्यातक को भी जारी किया जा सकता है जिसमें निर्यात कम्पनी की सहायक कम्पनी शामिल है बशर्ते कि वह कोई होरा व्यापार निगम का साईट होण्डर हो ऐसा लाइसेंसधारी आयात की तारीख से 12 महीनों की अवधि के भीतर बैंड और ई पी / होरा अप्रदाय लाइसेंस धारियों को अपरिष्कृत होरों की आपूर्ति करेगा। थोक लाइसेंस जारी करने के लिए आवेदन पत्र परिशिष्ट 26 के भाग-1 में दिए गए प्रपत्र में प्रस्तुत किया जा सकता है जिसके साथ जहां भी लागू हो परिशिष्ट 26 के भाग-2 में दी हुई घोषणा हो।"

14. अध्याय 8 पैराग्राफ 152 में अंक और शब्द "0.999 परिशुद्धता" जहां भी वे उप पैराग्राफ (2), (10(3)), (13) और (18) में हों, के स्थान पर निम्नलिखित आंकड़े तथा शब्द रखे जाएंगे।

"0.999 परिशुद्धता या 0.995 परिशुद्धता"

15. अध्याय 8 पैराग्राफ 152 में उप पैराग्राफ (19) के बाद निम्नलिखित उप पैराग्राफों को जोड़ा जाएगा :—

"(20) भारतीय खनिज और धातु व्यापार निगम लि. (एम एम टी सी), नई दिल्ली तथा कलकत्ता, भद्रास, बम्बई और जयपुर तथा उतावा गा.वा.ओं को स्वर्ण आभूषण तथा वस्तुओं के निर्यातकों को स्वर्ण की आपूर्ति करने के लिए, पदनामित अधिकरणों के रूप में नामित किया गया है। उपरोक्त उप-पैरा (1) से (19) तक में निर्धारित प्रक्रिया खनिज एवं धातु व्यापार निगम द्वारा किये जाने वाले सोने के संभरण के संबंध में समान रूप से लागू होगी।

(21) यदि कोई निर्यातक खनिज एवं धातु व्यापार निगम द्वारा उल्लिखित अपेक्षित बैंक गारंटी प्रस्तुत करता है तो खनिज एवं धातु व्यापार निगम कर्ज के आधार पर सोने का भी संभरण कर सकती है। निर्यातक और एम एम टी सी के बीच हुए समझौते के अनुसार निर्यातक को कर्ज की प्रकृति के लिए ध्याज अदा करना होगा। निर्यातक कर्ज के रूप में सोना लेने की तिथि से 120 दिनों के अंदर निर्यातों को पूर्ण करेगा और लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया एक रिजर्व आदेश एम एम टी सी को प्रस्तुत करेगा, ऐसा करने में असमर्थ रहने पर बैंक गारंटी जब्त कर ली जायेगी और किसी अन्य लागू कानून के तहत निर्यातक के विरुद्ध कार्रवाई भी की जा सकती है।"

18. अध्याय -9 के पैरा 173 के शब्द "सांकेतिक सूचना में यथा उल्लिखित पालना शर्तों को पूर्ण करते हुए और" हटा दिये जायेंगे।

17. अध्याय 9 के पैरा 181 और 182 के शब्द "घटकों" के स्थान पर "निवेशों" शब्द को प्रतिस्थापित किया जायेगा।

18. अध्याय 9 के पैरा 187 के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जायेगा :

"187(1) नीति के पैरा 104 की शर्तों के अनुसार निर्यात अभिमुख यूनिटों और निर्यात संसाधन क्षेत्र की यूनिटों को निर्यात सदन / व्यापार सदन / स्टार व्यापार सदन के माध्यम से अपने माल का व्यापार करने की तथा माल का निर्यात करने की अनुमति दे दी गयी है। ऐसे निर्यात निम्नलिखित शर्तों के अध्याधीन होंगे।

(क) निर्यात आदेश निर्यातोन्मुखी इकाईयों / निर्यात संसाधन क्षेत्र की इकाईयों के दायरे के अंदर ही निष्पादित किए जाएंगे और माल का सीमाशुल्क बंधित यूनिट से पोतलदान के परतन को सिधे स्थानान्तरण होगा।

(ख) निर्यात अभिमुख यूनिटों / निर्यात संसाधन क्षेत्र की यूनिटें निर्यात सदन / व्यापार सदन / स्टार व्यापार सदन से प्राप्त माल के खरीद मूल्य के आधार पर निर्यात लाभों को प्राप्त करने की पात्र होंगी।

(ग) निर्यात सदन / व्यापार सदन / स्टार व्यापार सदन निर्यातोन्मुखी यूनिट / निर्यात संसाधन क्षेत्र की यूनिटों को अदा किये गये खरीद मूल्य और वास्तविक निर्यात बसूली मूल्य के अंतर के आधार पर सभी निर्यात लाभों के लिए पात्र होंगे।

(ii) निर्यातोन्मुखी यूनिटें / निर्यात संसाधन क्षेत्र की यूनिटें किसी तीसरे पक्ष के माध्यम से भी निर्यात आवेश प्राप्त कर सकती हैं। निर्यातोन्मुखी यूनिटों/निर्यात संसाधन क्षेत्र की यूनिटों द्वारा प्राप्त और निष्पादित ऐसे तीसरे पक्ष के बारे में दिना निर्देश परिशिष्ट-33 में दिये गये हैं।"

19. अध्याय-10 में पैरा 201 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा -

"शुल्क मुक्त योजना के लाभ केवल नीति के पैरा 121 की श्रेणी (क) और (ग) से (ज) को ही प्राप्त होंगे।"

20. अध्याय 10 पैरा 202 में पैरा के अंत में निम्नलिखित को जोड़ा जायेगा :

"किसी राष्ट्रीय या विदेशी मुख्य संविदाकार के किसी भारतीय उच्च संविदाकार द्वारा किंवा गये संभरण के संबंध में इस प्रक्रिया पुस्तक के

परिशिष्ट 18 में निर्धारित प्रपत्र में परियोजना प्राधिकारी से प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।"

21. अध्याय 15 पैरा 227 में पैरा के अंत में निम्नलिखित को जोड़ा जायेगा :

"आयातित माल का निर्यात उपरोक्त शर्तों को पूर्ण किये जाने के अध्याधीन बिना लाइसेंस या सीमाशुल्क निकासी परमिट के सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा अनुमित होगा।"

22. अध्याय 15 में पैरा 228 निम्नलिखित पैरा द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा :

"प्रयुक्त केटेलिस्टस, उप उत्पाद, रद्दी और इसी प्रकार का माल पुनः उत्पादन, पुनः संसाधन अथवा धातु रसायन आदि जैसे प्रयोग किये जा सकने वाले माल की रिकवरी के उद्देश्य से निर्यात किया जा सकता है। ऐसे पुनः उत्पादन, पुनः संसाधन अथवा रिकवरी के माध्यम से प्राप्त माल भारत में आयात किया जा सकता है। इस पैरा के तहत पुनः आयात के मद्दे निर्यात करने के लिए लाइसेंस प्राप्त करने हेतु इस संबंध में मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात से आवेदन किया जा सकता है।"

23. अध्याय 15 में पैरा 234 के बाद निम्नलिखित को पैरा 235 के रूप में जोड़ा जायेगा :

"235 नीति अथवा प्रक्रिया पुस्तक के किसी प्रावधान के विषय में स्पष्टीकरण मांगने के लिए परिशिष्ट 46 में दिये गये प्रपत्र में मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, नई दिल्ली से आवेदन किया जा सकता है।

24. परिशिष्ट-7 भाग ख-5 में स्टॉक और बिक्री की मर्दे, भाग-2, कालम (1) में खण्ड (ख) से (ड) को हटा दिया जायेगा और निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जायेगा :

(ख) आवेदन शुल्क के भुगतान की बैंक रसीद,

(ग) 1990-91 या 1991-92 जैसा भी मामला हो, में प्राप्त आयात लाइसेंस की फोटो प्रति।

(घ) पूर्ववर्ती वर्ष में प्राप्त लाइसेंस के संबंध में, निर्यात आधार को पूर्ण करने का साध्य, अर्थात्

(1) आवेदक के नाम में विदेशी मुद्रा बसूली का प्रमाण-पत्र, और

(2) शिपिंग बिल (निर्यात संवर्धन प्रति) की मूल प्रति।

25. परिशिष्ट-12 में फार्म सं. 1, कॉलम सं. 16 हटा दिया जायेगा।

26. परिशिष्ट-15 में कॉलम सं. 23 हटा दिया जायेगा।

27. परिशिष्ट 16 हटा दिया जायेगा।

28. परिशिष्ट-18 के स्थान पर निम्नलिखित परिशिष्ट रखा जायेगा :

"परिशिष्ट-18

परियोजना प्राधिकार प्रमाण-पत्र का फार्म

1. स्थापित किया जाता है कि मैं ..... को त्रय आवेश सं ..... बिनॉक ..... के मद्दे ..... रुपये (शब्दों में ..... ) के कुल मूल्य के लिए निचे लिखे मूल्य मात्रा तथा विवरण के मास की आपूर्ति के लिए एक ठेका दिया गया है।

यह स्थापित किया जाता है :—

(1) कि आपूर्ति भारत में संयुक्त राष्ट्र संगठन को या संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहु-राष्ट्रीय एजेंसियों की सहमति प्राप्त कार्यक्रम के अंतर्गत



अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों पर की जाती है तथा उसके लिए भुगतान निर्मुक्त विदेशी मुद्रा में किया जाता है।

(2) कि ठेके के अन्तर्गत आपूर्ति भारत में अन्तर्राष्ट्रीय/प्रतिस्पर्धात्मक बोली की प्रक्रिया के अन्तर्गत आई बी आर डी/आईडीए/एडीबी सहायता प्राप्त परियोजनाओं की की जानी है तथा आदेश की अन्तर्वस्तु ..... रुपये की है।

(3) कि ठेके के अन्तर्गत ..... को की जाने वाली आपूर्ति के लिए आईएफएबी/ओईसीएफ के जरिए सरणीकृत येन क्रेडिट विकास के लिए केएफ डब्ल्यू/यूएसएआई डी सऊदी निधि के जरिए जर्मन साह्यता/अरब आर्थिक विकास के लिए कुवैत निधि/अरब आर्थिक विकास के लिए अबूधाबी निधि/ओपेक निधि, जापान आयात-निर्यात बैंक द्वारा वित्त की व्यवस्था की जाती है, केरल सहकारी दुग्ध विपणन संघ को उनकी उत्तरी केरल डेयरी विकास परियोजना के लिए जो राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की तकनीकी सहायता तथा सहयोग से स्विस संघ सरकार अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी), वाशिंगटन, कनाडियन अन्तर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (सीआईडीए), यूनाइटेड किंगडम की विदेश विकास एजेंसी से निधि प्राप्त करने वाली परियोजना से अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक बोली के अन्तर्गत ऐसे बहुपक्षीय/द्विपक्षीय सहायता को शासित करने वाली प्रक्रिया के अधीन सीमित निविदा के अन्तर्गत आपूर्ति की जाएगी जिसके अन्तर्गत दोनों—भारत तथा विदेश की पार्टियों को अनुमति दी जाएगी। आदेश की आयात अन्तर्वस्तु ..... रुपये की है।

(4) कि ठेके के अन्तर्गत आपूर्ति निर्यात संसाधन क्षेत्र की युनिट/ 100% निर्यात अभिमुख युनिट को की जानी है तथा ठेका प्रक्रिया पुस्तक के पैराग्राफ 189 के तहत प्राधिकार-पत्र में यथा प्रमाणित अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों पर निर्यात और आयात नीति, 1992-97 के अध्याय 7 में दी गई नीति के अनुसार है।

(5) कि ठेके के अन्तर्गत आपूर्ति ओएनजीसी/ओआईएल/ओआईएल को अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों पर उनके अपतटीय और तटीय समन्वेषण, ड्रिलिंग तथा उत्पादन संक्रिया के लिए की जानी है यह भी सत्यापित किया जाता है कि आदेश की आयात अन्तर्वस्तु ..... रुपये की है।

(6) कि ठेके के अन्तर्गत भारत में उर्वरक संयंत्रों को की जाने वाली पूंजीगत माल की आपूर्ति अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक बोली की प्रक्रिया के अन्तर्गत है तथा आदेश की आयात अन्तर्वस्तु ..... रुपये की है।

2. यह भी सत्यापित किया जाता है कि ..... (परियोजना का नाम) के संबंध में ठेका सं. .... दिनांक ..... में ..... को प्रदान किया गया है जिसके भारतीय/विदेशी मुख्य ठेकेदार तथा मैसर्स ..... उप-ठेकेदार हैं, जिनके नाम भी मुख्य ठेके में शामिल हैं। ..... रुपये (शब्दों में) के कुल मूल्य के लिए हमें सीधे उप-ठेकेदार द्वारा की जाने वाली आपूर्ति के लिए नीचे बताए गए अनुसार माल के विवरण, मात्रा तथा मूल्य को मुख्य ठेके में दर्शाया गया है जो ऐसे ठेकों के लिए लागू संबद्ध नीति/प्रक्रिया के अनुसार है। यह भी सत्यापित किया जाता है कि उप-ठेकेदार द्वारा आपूर्ति वाले माल के संबंध में भुगतान हम सीधे भारतीय रुपये में करेंगे। आपूर्ति में शामिल आयात अन्तर्वस्तु ..... रुपये की है।

की जाने वाली आपूर्ति का ध्वारा

आपूर्ति की मद का विवरण मात्रा आपूर्ति की जाने वाले माल का मूल्य

हस्ताक्षर .....

नाम और पदनाम .....

परियोजना का नाम .....

सील

स्थान :

तारीख :

टिप्पणी :—

(1) जो लागू त हो उसे काट दें।

(2) इस प्रमाण-पत्र को संबंधित परियोजना के मुख्य कार्यपालक या उसके द्वारा इस प्रयोजन के लिए विशिष्ट रूप से प्राधिकृत किसी विशिष्ट अधिकारी जिनके नाम, पदनाम संबंधित पत्तन लाइसेंसिंग अधिकारी को प्रिचालित, हों द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए। नामित अधिकारियों के नामों में परिवर्तन की सूचना समथ पर भेजने का दायित्व एकमात्र संबंधित परियोजना प्राधिकारी का होगा। तथापि, यह धर्त संयुक्त राष्ट्र संगठनों को या संयुक्त राष्ट्र संगठन तथा बहुराष्ट्रीय एजेंसियों निर्यात संसाधन क्षेत्र 100% निर्यात अभिमुख युनिट ईपीसीजी लाइसेंसधारियों के सहायताप्राप्त कार्यक्रमों के अन्तर्गत आपूर्ति करने पर लागू नहीं होगी।

29. परिशिष्ट 24 में कॉलम सं. 16 हटा दिया जाएगा।

30. परिशिष्ट 26 के स्थान पर निम्नलिखित परिशिष्ट रखा जाएगा :—

"परिशिष्ट-26

भाग-1

अपरिष्कृत हीरो के लिए थोक लाइसेंस जारी करने के लिए आवेदनपत्र का फार्म

1. आवेदक का नाम और पता .....
2. निदेशकों, साझीदारों, कर्ता या मालिक, जैसी की स्थिति हो, के नाम .....
3. यदि आवेदक 100% सहायक कम्पनी/नियंत्रित कम्पनी की फर्म/फर्म हो, तो बताएं :—  
(क) नियंत्रित कम्पनी/फर्म का नाम और पता .....  
(ख) नियंत्रित कम्पनी/फर्म के निदेशकों, साझीदारों, कर्ता या मालिक जैसी कि स्थिति हो, के नाम .....  
(ग) आवेदक कोई 100% सहायक कम्पनी/नियंत्रित कम्पनी की फर्म/फर्म है, क्या इसका प्रमाण संलग्न किया गया है। .....
4. विगत तीन लाइसेंसिंग वर्षों के दौरान तराशे हुए तथा .....

पालिश वाले हीरों के निर्यात  
का अज्ञापनस्त निःशुल्क मूल्य  
(सन्दी लेखाकार के प्रमाण-पत्र  
सहित वर्षवार जानकारी दें)

5. पहले से प्राप्त किए हुए थोक  
लाइसेंस, यदि कोई हो, के ब्यौरे
6. यदि उपर्युक्त (5) का उत्तर  
सकारात्मक हो तो आर ई पी/  
मेवा वाले हीरा अप्रदाय लाइ-  
सेंस की संख्या और मूल्य को  
निर्दिष्ट करें। (आर ई पी तथा  
हीरा अप्रदाय लाइसेंसों के लिए  
अलग-अलग आंकड़े प्रस्तुत किए  
जाएंगे)
7. आवेदित लाइसेंस का लागू  
बीमा भाड़ा मूल्य
8. आवेदन शुल्क के भुगतान के  
लिए बैंक रसीद/डिमाण्ड ड्राफ्ट  
संख्या तथा तारीख

#### वचनपत्र/घोषणा

मैं/हम एतद्वारा सत्यनिष्ठा से यह वचन देता हूँ/देते हैं/घोषणा करता  
हूँ/करते हैं :-

- (1) कि अपरिष्कृत हीरों के लिए थोक लाइसेंस हेतु कोई दूसरा  
आवेदन नहीं किया गया है या इस आवेदन पत्र के दायरे  
में आने वाले निर्यातों के मुद्दे कोई दूसरा आवेदन पत्र नहीं  
दिया जाएगा।
- (2) कि (क) ऊपर निर्दिष्ट निर्यातों का कुल अज्ञापनस्त निःशुल्क  
मूल्य हमारा प्रत्यक्ष निर्यात का है, और (ख) इसमें अपरिष्कृत  
हीरों का पुनः निर्यात शामिल नहीं है।
- (3) \*कि आवेदक मैसर्स ..... (निर्यातक कम्पनी/  
फर्म का नाम लिखें) का 100% सहायक है जिसका लिखित  
प्रमाण संलग्न है।
- (4) \*कि निर्यातक कम्पनी/फर्म तथा हमने थोक लाइसेंस के सेवा  
कार्य हेतु दोनों कम्पनियों और/या फर्मों के दायित्व से बंधी  
हुई एक संयुक्त घोषणा प्रस्तुत की है।
- (5) कि हम आर ई पी/हीरा अप्रदाय लाइसेंसों को ऐसे मूल्य के  
काम में लाएंगे जोकि कम से कम आयात की तारीख से 12  
महीनों की अवधि के भीतर थोक लाइसेंस के मूल्य के बराबर  
हो।
- (6) कि इस आवेदन-पत्र में दिए गए ब्यौरे तथा विवरण मेरी/  
हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार सही हैं तथा उनसे  
कुछ छिपाया नहीं गया है या रोका गया है।
- (7) कि इस आवेदन-पत्र के आधार पर प्रदान किया गया कोई  
लाइसेंस यदि इस आवेदन पत्र में दी गई कोई जानकारी गलत  
या अशुद्ध या भ्रामक पायी जाती है तो किसी ऐसे अन्य कार-  
वाही के प्रति पूर्वाग्रह के बिना निरस्त कर दी जाएगी या  
अप्रभावी बना दी जाएगी जोकि इस सम्बन्ध में की जा सके।
- (8) कि मैं/हम पूर्णतया समझते हैं/समझते हैं कि उपर्युक्त विवरण  
में दी गई कोई सूचना गलत या मिथ्या पायी जाने पर मैं/  
हम किसी ऐसे दण्ड या अन्य परिणामों के लिए उत्तरदायी  
हूँ/होगे जोकि कानून में निहित हो या अन्यथा प्रमाणित हो।

- (9) कि मैं आवेदक की ओर से इस विवरण को सत्यापित करने  
तथा हस्ताक्षरित करने के लिए प्राधिकृत हूँ।

हस्ताक्षर .....

नाम .....

(साफ-साफ अक्षरों में)

कार्यालय का पूरा पता .....

आवास का पूरा पता .....

स्थान :

तारीख :

संलग्नकों की सूची :

\*आवेदक के निर्यातक फर्म/कम्पनी का सहायक होने की स्थिति में  
जामू।"

भाग-2

पुस्तक के पैराग्राफ 139 के अंतर्गत प्रस्तुत की जाने  
वाली संयुक्त घोषणा का प्रावण

हम, मैसर्स ..... (निर्यातक कम्पनी/फर्म का नाम  
पता) एतद्वारा घोषणा करते हैं कि मैसर्स .....  
(आवेदक का नाम और पता) पर हमारा  
पूरा स्वामित्व है तथा वह हमारी 100% सहायक कम्पनी है।

2. विगत तीन वर्षों के दौरान तराशी हुए तथा पालिश किए हुए  
हीरों का हमारा औसत निर्यात निष्पादन .....  
है। हम अपरिष्कृत हीरों हेतु थोक लाइसेंस जारी करने के लिए हकदार  
हैं।

3. हम एतद्वारा अपरिष्कृत हीरों के लिए थोक लाइसेंस प्रदान करने  
की अपनी पात्रता छाड़ते हैं तथा मैसर्स .....  
(आवेदक का नाम और पता) को थोक लाइसेंस जारी करने के लिए  
आवेदन करने का प्राधिकार देते हैं।

4. हम एतद्वारा यह वचन देते हैं कि थोक लाइसेंस मैसर्स .....  
(आवेदक का नाम और पता) को दिए जाने पर  
उसके निर्माण के लिए लागू सभी शर्तें हम पूरी करेंगे।

5. हम एतद्वारा यह वचन देते हैं कि आवेदक या स्वयं द्वारा दी  
गई किसी जानकारी को असत्य या भ्रामक पाए जाने या छुपाए जाने पर  
आवेदक के अतिरिक्त हम भी कार्रवाई के लिए जिम्मेवार होंगे।  
थोक लाइसेंस की शर्त के उल्लंघन या अनियमन या पुरा न होने की  
स्थिति में हम भी दण्डित कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होंगे।

6. हम, मैसर्स ..... (आवेदक का नाम और  
पता) एतद्वारा घोषणा करते हैं कि यह कम्पनी/फर्म मैं .....  
(निर्यातक कम्पनी/फर्म का नाम और पता) की 100% सहायक कम्पनी  
है। हम एतद्वारा घोषणा करते हैं कि पूर्वोक्त जानकारी/घोषणा यदि  
हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार ठीक है।

हस्ताक्षर ..... हस्ताक्षर .....

नाम ..... नाम .....

(साफ-साफ अक्षरों में) (साफ-साफ अक्षरों में)

कार्यालय का पूरा पता ..... कार्यालय का पूरा पता .....

आवास का पूरा पता ..... आवास का पूरा पता .....

(आवेदक के लिए) (निर्यातक कम्पनी के लिए)

स्थान : ..... स्थान : .....

दिनांक : ..... दिनांक : .....

31. परिशिष्ट 29 में आबंटन फार्म में :

(1) कालम 21 (i) में यह शब्द "यदि उपलब्ध हों" के बदले में "नई मूनिटों के लिये" शब्द रखे जायेंगे।

(2) कालम 21 (ii) में निम्नलिखित शब्द अंतः स्थापित किये जायेंगे :

"(क) क्या आवेदक को निर्यातोग्राम मूनिट/निर्यात संबन्धित क्षेत्र स्कीम के अन्तर्गत कोई औद्योगिक लाइसेंस अथवा एल ओ आई/एल ओ पी जारी किया गया है ? यदि ऐसा है तो कृपया पूरे व्योरे में विशेषतः पर प्रत्येक परियोजना की सन्दर्भ संख्या, जारी करने की तारीख, निर्माण की मद और प्रत्येक परियोजना के कार्यान्वयन की प्रगति।

(ख) क्या आवेदक ने एल ओ आई/एल ओ पी के लिये कोई अन्य आवेदन प्रस्तुत किया है जो अनुमोदन बोर्ड के पास लम्बित पड़ा हुआ हो ? यदि ऐसा है, तो कृपया सन्दर्भ संख्या, किस नाम से आवेदन किया गया है, निर्माण की मद आदि जैसे व्योरे दें।"

32. परिशिष्ट 29 में, अनुबन्ध-2 के अन्तर्गत, पैरा 3 "कुछ महत्वपूर्ण दिशा निर्देशों" के बदले निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा :—

"मूल्य संयोजन प्रतिष्ठान के आंकलन के लिये यह फार्मूला है :—

$$\text{अर्थात् ए} = (\text{बी 1} + \text{बी 2}) \times 100$$

ए

जहां ए = उत्पादक के प्रथम पांच वर्षों के लिए निर्यात के लिये परियोजित पांच पर्यन्त निशुल्क मूल्य का औसत, और है

बी 1 = कच्ची सामग्री, संघटक, उपभोग्य वस्तुओं, अतिरिक्त हिस्से पुर्जों विदेशी सहायोगियों को रथल्टी का भुगतान आदि, केनिमित्त उत्पादन के प्रथम पांच वर्षों के दौरान और निर्यात पर कमिशन का भुगतान, आस्थगित भुगतान सहित विदेशी ऋण पर ब्याज, और विदेशी मुद्रा के सभी अन्य बहिर्गमन, चाहे कुछ भी हों और पांच वर्षों की अवधि के दौरान ऋण चुकाने की लागत के रूप में सभी पूंजीगत माल के लागत बीमा भाड़ा मूल्य के 1/5 को मिलाकर परियोजित सभी विदेशी मुद्रा के बहिर्गमन का

बी 2 = घरेलू टैरिफ क्षेत्र से अधिप्राप्त की गयी कच्ची सामग्री, संघटक और उपभोग्य वस्तुओं (स्वदेशी पूंजीगत माल के लिये अपेक्षित को छोड़कर) के कारण उत्पादन के प्रथम पांच वर्षों में परियोजित सभी बहिर्गमनों का औसत।"

33. परिशिष्ट 33 में शीर्षक और शुरु का पैराग्राफ निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा :

"निर्यात संबन्धित जोन की मूनिटों/निर्यातोग्राम मूनिटों द्वारा निष्पादित तृतीय पार्टी आदेश पर दिशा निर्देश"

प्रक्रिया पुस्तक के पैराग्राफ 147 (ii) में विहित उपबन्धों की ओर ध्यान दिलाया जाता है जिसमें निर्यात संबन्धित जोन की मूनिटों/निर्यातोग्राम मूनिटों की तृतीय पार्टियों के जरिये निर्यात आदेश प्राप्ति करने और प्रमाणित करने के आदेश दिये गये हैं। ऐसे आदेश निम्नलिखित दिशा-निर्देशों द्वारा अधिशासित होंगे :—

34. परिशिष्ट-34 में अनुबन्ध-1 में, शीर्षक में, "और कानूनी-कारार-वचनकद्धता" शब्द हटा दिये जायेंगे।

35. परिशिष्ट 36 में, प्रबल 1-ख निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जायेगा :

"प्रबल-1 'ख'"

उन उप संबिदाकारों को भुगतान प्रमाणित जारी करता जिनका नाम मुख्य संबिदा में मौजूद है।

1. प्रमाणित किया जाता है कि मैसर्स

मैसर्स ..... (मुख्य संबिदाकार) का एक भारतीय उप संबिदाकार है। मुख्य संबिदाकार की संबिदा को हमने ..... द्वारा दिनांक ..... स्वीकार कर लिया है। उप संबिदाकार के नाम को मुख्य संबिदा में शामिल कर लिया गया है और हमें जो माल भ्रम सलाई किया गया है उसके बिबरण, माला और मूल्य का मुख्य संबिदा में पहले से ही उल्लेख कर दिया गया है। यह सलाई मुख्य संबिदा में निर्धारित किये गये विनिर्देशनों के अनुरूप है।

2. यह भी प्रमाणित किया जाता है कि हमें प्रत्येक आदेश सं ..... दिनांक ..... के मदे उपर्युक्त वर्णित उप-संबिदा कार ..... द्वारा नीचे ..... माला निदिष्ट माला और मूल्य के सामान/उपस्कर और बीजक सं ..... दिनांक ..... उपर उल्लिखित उप संबिदाकार द्वारा सलाई कर दिया गया है। (कृपया सलाई की तारीख लिखें) और हमने उप संबिदाकार ..... अर्थात्

में ..... को विक्री ..... की राशि का भुगतान कर दिया है (भुगतान की तारीख लिखें) जो संबिदा की शर्तों के अनुसार सलाई किये गये सामान/उपस्कर/पूँजीगत सामान का ..... प्रतिष्ठत है।

3. \*आगे यह भी प्रमाणित किया जाता है कि सलाईकर्ता के साथ दिनांक ..... को भी गई संबिदा की शर्तों के अनुसार सलाई की गई है और हमने बीजक में वर्णित मूल्य पर सलाई स्वीकार कर ली है।

हम संतुष्ट हैं कि सलाई अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों के अनुसार की गई है।

अथवा

\*\*आगे यह भी स्पष्ट किया जाता है कि हमारे द्वारा शुरु की जा रही परियोजना में अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगितात्मक बोली पर अधिप्राप्त संबिदा की शर्तों के अनुसार सलाई की गई है और जो पूर्णतया आई बी आई सी/आई डी ए/ए-डी-बी/द्विपक्षीय/बहुपक्षीय सहमति से बित्त पोषित है और हमारे द्वारा बीजक में उल्लिखित मूल्य पर स्थल पर सलाई स्वीकार की गई है।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

प्रीवेन्ट/एजेंसी का नाम

स्थान

दिनांक



संशोधन किये गये संशोधन को विवरण, सीमा और अन्य ।

हस्ताक्षर .....  
नाम .....  
पदनाम .....  
परिचयनाम/पंजीकृत .....  
का नाम .....

टिप्पणी :-

- (1) इस मामले में प्रथम क-1 के नीचे टिप्पणी-1 समकक्ष तौर पर लागू होती है।
- (2) \*नीति पुस्तक के उप पैराग्राफ 121 (क) से (ड) में शामिल अभिगृहीत निर्यात के मामले में लागू होता है।
- (3) \*\*अभिगृहीत निर्यात की अन्य श्रेणियों के मामले में लागू होता है।
- (4) विनिर्दिष्ट फटिलाइजर प्रोजेक्ट को संशोधन के मामले में शब्द "और जो पूर्णतया आई सी आर डी/आई डी ए/ए डी बी/विषय/बहुपक्षीय सहमति से बित्त पोषित है।" हटा दिये जायेंगे।

36. परिशिष्ट 39 में क्रम सं. 33 की प्रविष्टि में निम्नलिखित खण्ड जोड़े जायेंगे :-

- "(5) सिमिबाइल फॉरफाइटर,  
(6) डीआईसीओपिल एमार्शन।"

37. परिशिष्ट 43 हटा दिया जायेगा।

38. निम्नलिखित को परिशिष्ट 46 के रूप में जोड़ा जायेगा :-

"परिशिष्ट 46।

आयात नीति पर स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिये प्रोत्साहनी।

1. स्पष्टीकरण मांगने वाली यूनिट अपना व्यक्ति का नाम और पता।

2. निमित्त उत्पाद ।

3. जिस वस्तु के लिये स्पष्टीकरण अपेक्षित है उसका पूरा व्योरा।  
(इसमें चिनिर्देशन/साहित्य/सूचीपत्र यदि उपलब्ध हो शामिल है।)

(इसमें के मामले में कृपया तकनीकी नाम और समानार्थ शब्द यदि कोई हों, लिखें)

4. क्या वस्तु का पहले से आयात किया गया था और यदि ऐसा है, किस वर्गीकरण के अंतर्गत ऐसा किया गया यानि सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा जिस प्रविष्टि सं. और परिशिष्ट सं. के अंतर्गत इसे मंजूरी दी गई उसका उल्लेख करें और साथ ही सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा स्वीकार किये गये वर्गीकरण का भी उल्लेख करें।

5. कृपया सामग्री के अंत में उपयोग करने जैसे कच्ची सामग्री, संवर्धकों, अतिरिक्त पुर्जे, औजार, पैकिंग सामग्री अपना उपयोग के संबंध में व्योरा दें। उपयोग के लिये कृपया उपयोग में लाने गई प्रक्रिया का उल्लेख करें,

6. स्पष्टीकरण का पॉइंट ।

7. कोई अन्य संगत सूचना ।

टिप्पणी :- आबेदन पत्र दो प्रतियों में भेजा जाना चाहिए और इसके साथ स्पष्टीकरण के लिए अपेक्षित मद का साहित्य/सूचीपत्र/तकनीकी चिनिर्देशन भी साथ में हों।

इसे लोकहित में जारी किया गया है।

डी. आर. मेहता, मुख्य निदेशक, आयात-निर्यात

## MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 23 (PN)/92-97

New Delhi, the 30th June, 1992

F. No. IPC/4/5(269)/92-97.—In exercise of the powers conferred under paragraph 16 of the Export and Import Policy, 1992-97, the Chief Controller of Imports & Exports hereby makes the following amendments in the Handbook of Procedures, 1992-97 :—

1. In Chapter IV, paragraph 19, the following shall be inserted after the third sentence :—

"Where the date of expiry of a licence falls before the last day of month, the licence shall be deemed to be valid until the last day of the month."

2. In Chapter IV, paragraph 21, the following shall be added at the end of the paragraph :—

"However, no duplicate copy shall be issued in the case of freely transferable import licences."

3. In Chapter V, paragraph 28 shall be replaced by the following :—

"An application for grant of a licence for import of cloves, cinnamon and cassia shall be supported by the following documents :

(i) Bank Receipt for payment of application fee;

(ii) Photocopy of the import licence obtained in 1990-91 or 1991-92, as the case may be;

(iii) Evidence of fulfilment of export obligation in respect of the licence granted in the preceding year, namely,

(a) Bank certificate of realisation of foreign exchange in the name of the applicant; and

(b) Shipping bill (Export Promotion copy) in original.

(iv) The application for grant of licence shall reach the licensing authority on or before the 31st January of the licensing year."

4. In Chapter V paragraph 30, the first and second sentences shall be substituted by the following :

"Licences for import of cloves, cinnamon and cassia may be granted to the extent of 90 per cent of the value of licences issued in 1990-91 or 1991-92, whichever is higher, subject to the fulfilment of export obligation for twice the value of the import licence granted in the preceding year. The aggregate minimum c.i.f. value of all the three items taken together for grant of licence shall be Rs. 5,000 in the case of each licences. Within this aggregate value the entitlement for import of the three items will be proportionately indicated in the licence."

5. In Chapter V paragraph 45, the figure "2.5 per cent" shall be substituted by the figure "10 per cent".

6. In Chapter V paragraph 80, the opening words shall be substituted by the following :—

"Goods on being imported and found defective or otherwise unfit for use or which have been damaged after import may be exported, and goods in replacement thereof may be supplied free of charge by the foreign suppliers or imported against a marine insurance or marine-cum-erection insurance claim settled by an insurance company. Such goods shall be allowed clearance by the customs authorities without an import licence provided that :—

7. In Chapter V paragraph 98, after clause (ix), the following clauses shall be inserted :—

**“Technical and trade samples.”**

- (x) Bonafide technical and trade samples supplied free of charge not exceeding Rs. 30,000 in c.i.f. value, in one consignment, excepting vegetable seeds, bees and new drugs by any importer.

**Technical and trade samples of tea.**

- (xi) Bonafide technical and trade samples of tea supplied free of charge not exceeding Rs. 2,000 in c.i.f. value, in one consignment, by any person connected with the tea industry on the recommendation of the Tea Board Calcutta, to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.

**Prototypes/samples**

- (xii) Import of prototypes and samples not exceeding 5 in number in a year by Actual Users (Industrial) or recognised research and development institutions already engaged in the production of or research in the item for which prototype/sample is sought for product development or research, as the case may be, upon a self-declaration to that effect to the satisfaction of the Customs authorities.”

8. In Chapter VI paragraph 102, the word “Surety” shall be substituted by the word “Guarantee”.

9. In Chapter VI, paragraph 106 shall be substituted by the following paragraph:—

“A person holding a licence under EPCG Scheme may source capital goods from a domestic manufacturer, who may obtain a Special Imprest Licence under Duty Exemption Scheme. The procedure and other conditions for sourcing such supply from domestic manufacturers are given below :—

- (a) There shall be a firm contract between the EPCG licence holder and the domestic manufacturer and to this effect letters shall be exchanged between the two parties. The EPCG licence holder shall also execute an Indemnity-cum-Guarantee Bond for fulfilment of the export obligation with the licensing authority as laid down in paragraph 102 above;
- (b) The case shall be considered by the licensing authority mentioned in paragraph 109 of this Handbook;
- (c) The EPCG licence holder may apply for issue of Indigenous Release Order as per the procedure indicated in Chapter X of this Handbook supported by (i) photocopy of the contract between him and the indigenous supplier and (ii) evidence of Indemnity-cum-Guarantee Bond executed by him.”

10. In Chapter VII paragraph 108,

- (i) The word “and” appearing at the end of clause (ii) shall be deleted.
- (ii) Clause (iii) shall be substituted by the following clause:—

“Project Authority Certificate in the form given in Appendix XVIII, in the case of special Imprest Licences to categories covered by clauses (i) to (v) and (vii) of paragraph 56 of the Policy; and”

(iii) The following clause shall be added as clause (iv):

“(iv) Indigenous Release Order in original alongwith a photocopy of the contract between the EPCG licence holder and the domestic manufacturer for the category covered by clause (vi) of paragraph 56 of the Policy.”

11. In Chapter VII paragraph 120, the words “Advance Licence” shall be substituted by the words “duty free licence”.

12. In Chapter VII paragraph 127 sub-paragraph (iv), the words “Notwithstanding the above facility of transferability, the first licence holder shall be liable to correlate the goods exported with goods imported in terms of the technical characteristics mentioned in the licence. He shall be responsible for any contravention of the conditions of the licence,” shall be deleted.

13. In Chapter VIII, paragraph 139 shall be substituted by the following paragraph:—

“Bulk import licences under paragraph 84 of the Policy may also be issued to any other exporter including a subsidiary of an export company, if he is a DTC sight holder. Such licences shall supply the rough diamonds to the holders of valid REP/Diamond Imprest Licences within a period of 12 months from the date of import. An application for issue of a bulk licence may be submitted in the form given in Part-I of Appendix XXVI supported by a declaration as given in Part-II of Appendix XXVI, wherever applicable.”

14. In Chapter VIII paragraph 152, the figures and word “0.999 fineness” wherever they appear in sub-paragraphs (2), 10(iii), (13) and (18) shall be substituted by the following figures and words:—

“0.999 fineness or 0.995 fineness”

15. In Chapter VIII paragraph 152, the following sub-paragraphs shall be added after sub-paragraph (19):

“(20) The Minerals and Metals Trading Corporation of India Ltd. (MMTC), New Delhi and its branches at Calcutta, Madras, Bombay and Jaipur, have been nominated as designated agencies for supply of gold to the exporters of gold jewellery and articles.

The procedure laid down in sub-paragraphs (1) to (19) above shall equally apply in respect of supply of gold by MMTC.

(21) The MMTC may also supply gold on loan basis if an exporter submits the requisite bank guarantee as may be specified by MMTC. The exporter shall be liable to pay interest as may be agreed to between the exporter and the MMTC for the period of the loan. The exporter shall complete the exports within 120 days from the date of drawal of gold on loan and submit a Release Order issued by the licensing authority to MMTC, failing which the bank guarantee shall be forfeited and the exporter shall also be liable to action under any other applicable law.”

16. In Chapter IX paragraph 173, the words “fulfilling eligibility conditions as may be specified by a Public Notice and” shall be deleted.

17. In Chapter IX paragraphs 181 and 182, the word “constituents” shall be substituted by the word “inputs”.

18. In Chapter IX, paragraph 187 shall be substituted by the following paragraph:

“187. (i) In terms of paragraph 104 of the Policy, EOU's and EPZ units have been allowed to market their goods through an Export House/Trading House/Star Trading House and export the goods. Such exports shall fulfil the following conditions:

(a) The export orders shall be executed within the parameters of EOU/EPZ schemes and the goods shall be directly transferred from the customs bonded unit to the port of shipment;

(b) EOU/EPZ units will be eligible for export benefits as may accrue based on the purchase price of the goods received from the Export House/Trading House/Star Trading House.



(c) The Export House/Trading House/Star Trading House will be eligible for all export benefits as may accrue based on the difference between the purchase price paid to the EOU/EPZ unit and the actual export realisation.

(ii) The EOUs and EPZ units may also procure export orders through third parties. The guidelines on such third party orders procured and executed by EOUs/EPZ units are given at Appendix XXXIII."

19. In Chapter X, paragraph 201 shall be substituted by the following paragraph :

"Benefit of Duty Exemption Scheme shall be available only to categories (a) and (c) to (h) of paragraph 121 of the Policy."

20. In Chapter X paragraph 202, the following shall be added at the end of the paragraph :

"In respect of supplies made by an Indian sub-contractor of an Indian or foreign main contractor, a Project Authority Certificate in the form prescribed in Appendix XVIII of this Handbook shall also be submitted."

21. In Chapter XV paragraph 227, the following shall be added at the end of the paragraph :

"Export of imported goods shall be allowed by the Customs authorities without a licence or Customs Clearance Permit subject to fulfilment of the conditions mentioned above."

22. In Chapter XV, paragraph 228 shall be substituted by the following paragraph :

"Used catalysts, by-products, waste and similar material may be exported for the purpose of regeneration, reprocessing or recovery of usable material like metals, chemicals etc. Goods obtained through such regeneration, reprocessing or recovery may be imported into India. An application may be made in this behalf to the Chief Controller of Imports and Exports for a licence to export against re-import under this paragraph."

23. In Chapter XV, after paragraph 234, the following paragraph shall be added as paragraph 235 :

"235. A request seeking clarifications any provision of the Policy or of the Handbook of Procedures may be made to the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, in the form given in Appendix XVI."

24. In Appendix XII Part B-V, Stock and Sale Items, Part II, in column (I), clause (b) to (c) shall be deleted and the following shall be substituted :

"(b) Bank receipt for payment of application fee;

(c) Photocopy of the import licence obtained in 1990-91 or 1991-92, as the case may be;

(d) Evidence of fulfilment of export obligation in respect of licence granted in the preceding year namely,

(i) certificate of realisation of foreign exchange in the name of the applicant; and

(ii) Shipping Bill (Export Promotion copy) in original.

25. In Appendix XII, Form No. 1, column No. 16 shall be deleted.

26. In Appendix XV, column No. 23 shall be deleted.

27. Appendix XVI shall be deleted.

1666 GI/92 -2

28. Appendix XVIII shall be substituted by the following Appendix :

## "APPENDIX XVIII

### FORM OF PROJECT AUTHORITY CERTIFICATE

1. Certified that M/s. \_\_\_\_\_ have been awarded a contract for supply of goods of value, quantity and description mentioned below for total value of Rs. \_\_\_\_\_ (in words \_\_\_\_\_) against purchase order No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_.

It is certified :—

(1) That supplies have to be made in India to United Nations Organisation or under the aided programme of United Nations and other multi-national agencies, at international prices and paid for in free foreign exchange.

(2) That supplies under the contract are to be made to IBRD/IDA/ADB aided projects in India under the procedure of international competitive bidding and the import content of the order is Rs. \_\_\_\_\_.

(3) That the Supplies \_\_\_\_\_ to be made under the contract are financed by IFAD/Yen-credit channelised through OECF/German assistance through KfW/USAID/Saudi Fund for development/Kuwait Fund for Arab Economic Development/Abu Dhabi Fund for Arab Economic Development/OPEC Fund, Exim Bank of Japan, supplies made to the Kerala Cooperative Milk Marketing Federation for their North Kerala Dairy Development Project being implemented with the technical assistance and collaboration of National Dairy Development Board, with the project being funded by the Government of Swiss Confederation, International Finance Corporation (IFC), Washington, Canadian International Development Agency (CIDA), Overseas Development Agency of UK, under international competitive bidding/under limited tender under the procedure governing such multilateral/bilateral assistance and allowing thereunder to parties from both India and abroad. The import content of the order is Rs. \_\_\_\_\_.

(4) That the supplies under the contract are to be made to unit in the Export Processing Zone/100 per cent EOU and the contract is according to the policy laid down in Chapter VII of the Export and Import Policy 1992-97 at the international prices as certified in the Letter of Authority in terms of paragraph 189 of the Handbook.

(5) That the supplies under the contract are to be made to ONGC/OIL/GAIL for their offshore and on-shore exploration, drilling and production operation at international prices. It is further certified that the import content is of the order of Rs. \_\_\_\_\_.

(6) That the supply of the capital goods under the contract to be made to the fertilizer plants in India is under the procedure of international competitive bidding and the import content of the order is Rs. \_\_\_\_\_.

2. It is further certified that the contract No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_ in respect of \_\_\_\_\_ (Name of the project) has been awarded to M/s. \_\_\_\_\_ as the Indian/Foreign main contract and M/s. \_\_\_\_\_ are the sub-contractor, whose name is also included in the main contract. The description, quantity and value of the goods as described below to be supplied to us directly by the sub-contractor for a total value of Rs. \_\_\_\_\_ (in words) is shown in the main contract and is in accordance with the relevant policy/procedure applicable to such contracts. It is further certified that the payment in respect of the goods to be supplied by the sub-contractor will be made directly by us in Indian Rupees. The import contents involved in the supply is Rs. \_\_\_\_\_.

## PARTICULARS OF SUPPLIES TO BE MADE

Description of Item of Supply	Quantity	Value of Goods to be Supplied
----------------------------------	----------	----------------------------------

Signature .....  
Name and designation .....

Station :

Name of the Project .....

Date :

Seal

Note :

(1) Delete whichever is not applicable.

(2) This certificate is to be signed by the Chief Executive of the project concerned or by a senior officer specifically authorised by him for this purpose whose name, designation are circulated to the Port licensing authority concerned. The responsibility for sending timely advice of changes in the names of the nominated officers will solely rest with the project authority concerned. This condition will, however, not be applicable to supply to United Nations Organisations or under the aided programmes of U.N.O and multinational agencies, EPX/100% EOU, EPCG licence holder."

29. In Appendix XXIV, column No. 16 shall be deleted.

30. Appendix XXVI shall be substituted by the following Appendix :

## "APPENDIX—XXVI

## PART-I

## Form of Application for Issue of Bulk Licence for Rough Diamonds

1. Name and address of the applicant .....
2. Name of Directors, Partners, Karta or Proprietor, as the case may be. ....
3. In case the applicant is an 100% subsidiary company/firm of the exporting company/firm, indicate :—
  - (a) Name and address of the exporting Company/firm .....
  - (b) Name of Directors, Partners, Karta or Proprietor, as the case may be, of the exporting Company/firm .....
  - (c) Whether proof that the the applicant is a .....

100% subsidiary company/firm of the exporting Company/firm has been attached. ....

4. The f.o.b. value of export of cut and polished diamonds during the preceding three licensing years (furnish year-wise information along with a Certificate from the Chartered Accountant). ....
5. Particulars of the bulk licence, if any already obtained. ....
6. If answer to (5) above is in affirmative, indicate No. and value of REP/ Diamond Imprest Licence serviced (separate figures for REP and Diamond Imprest Licences shall be furnished). ....
7. The c.i.f value of the licence applied for. ....
8. Bank Receipt/Demand Draft No. and date towards payment of application fee. ....

## UNDERTAKING/DECLARATION

I/We hereby solemnly undertake/declare :

- (i) That no other application for bulk licence for rough diamonds has been made or will be made against exports covered by this application.
- (ii) That (a) the total f.o.b. value of exports indicated above are our direct exports; and (b) it does not include re-export of rough diamonds;
- (iii) \*That the applicant is an 100% subsidiary of M/s. .... (indicate the name of the exporting company/firm for which documentary evidence has been enclosed.
- (iv) \*That the exporting company/firm and we have given a joint declaration binding towards liability of both the companies and/or firms for the servicing of bulk licences.
- (v) That we shall service the REP/Diamond Imprest Licences for a value which is atleast equivalent to the value of the bulk licence, within a period of 12 months from the date of imports.
- (vi) That the particulars and statements made in this application are true to the best of my/our knowledge and nothing has been concealed or withheld therefrom
- (vii) That any licence granted on the basis of this application shall be liable to cancellation or being made ineffective without prejudice to any other action that may be taken in this behalf, if any information furnished in this application is found to be wrong or incorrect or misleading.

(viii) That I/We fully understand that any information furnished in the above statement, if proved incorrect or false will render me/us liable for any penal or other consequences as may be prescribed in law or otherwise warranted.

(ix) That I am authorised to verify and sign this Statement on behalf of the applicant.

Signature .....  
Name .....  
(in Block Letters).....  
Full Official.....  
Address .....  
Full Residential .....  
Address .....

Place :

Date :

List of enclosures :

\*Applicable in case the applicant is a subsidiary of the exporting company/firm."

## PART-II

### PROFORMA OF THE JOINT DECLARATION TO BE FURNISHED UNDER PARAGRAPH 139 OF THE HANDBOOK

We, M/s. \_\_\_\_\_ (Name and address of the exporting company/firm) hereby declare that M/s. \_\_\_\_\_ (Name and address of the applicant) is fully owned by us and is our 100 per cent subsidiary.

2. Our average export performance of cut and polished diamonds during the past three years is Rs \_\_\_\_\_. We are entitled for issue of Bulk licence for rough diamonds.

3. We hereby renounce our eligibility for grant of bulk licence for rough diamonds and authorise M/s. \_\_\_\_\_ (Name and address of the applicant) to apply for issue of Bulk licence.

4. We hereby undertake to fulfil all the conditions applicable for issue of the Bulk licence, if given to M/s. \_\_\_\_\_ (Name and address of the applicant).

5. We hereby undertake that, in addition to the applicant, we shall also be liable to action if any information furnished by the applicant or ourselves is found to be false or misleading or concealed. We shall also be liable for penal action in case there is any violation or contravention or non-fulfilment of the condition of the Bulk licence.

6. We, M/s. \_\_\_\_\_ (Name and address of the applicant) hereby declare that this company/firm is an 100 per cent subsidiary of M/s. \_\_\_\_\_ (Name and address of the exporting company/firm). We hereby declare that the aforesaid information/declaration, etc., is correct to best of our knowledge and belief.

Signature  
Name (in block letters)  
Full official  
Address :  
Full Residential  
Address  
(For the applicant)  
Place :  
Date :

Signature  
Name (in block letters)  
Full official  
Address :  
Full Residential  
Address  
(For the exporting company)  
Place :  
Date :

31. In Appendix XXIX, in the Application form :

- (i) in column XXI (i) the words "if available" shall be substituted by the words "for new units".
- (ii) in column XXI (ii), the following words shall be inserted :

"(a) Whether the applicant has been issued any industrial licence or LOI/LOP under EOU/EPZ scheme ? If so, please give full particulars especially reference number, date of issue, items of manufacture and progress of implementation of each project.

(b) Whether the applicant has submitted any other application for LOI/LOP which is pending with the Board of Approval(s) ? If so, please give particulars like reference number, name under which application made, items of manufacture, etc."

32. In Appendix XXIX, Annexure II under "SOME IMPORTANT GUIDELINES" paragraph 3 shall be substituted by the following paragraph :

"Formula for calculation of Value Addition Percentage :  
The formula calculation of value addition percentage is :

$$\text{I.e. } A = \frac{(B1 + B2) \times 100}{A}$$

Where A=Average FOB value of exports projected for the first five years of production; and

B1=Average of all foreign exchange outflows projected during the first five years of production on account of import of raw materials, components, consumables, spares, payment of royalty etc. to foreign collaborators, payment of commission on exports, interest on external borrowings including deferred payments, and all other outflows of foreign exchange whatsoever plus one-fifth of the c.i.f. value of all imported capital goods, being the amortised cost over a period of five years; and

B2=Average of all outflows projected in the first years of production on account of raw materials, components and consumables, (excluding those required for indigenous capital goods) procured from the domestic tariff area."

33. In Appendix XXXIII the heading and the opening paragraph shall be substituted by the following :

### "GUIDELINES ON THIRD PARTY ORDERS TO BE EXECUTED BY EOUs/UNITS IN EPZs.

Attention is invited to the provisions contained in paragraph 188(ii) of the Handbook of Procedure in terms of which EOUs/Units in EPZs have been allowed to procure and execute export orders through third parties. Such orders shall be governed by the following guidelines :"

34. In Appendix XXXIV Annexure I, in the heading, the words "AND LEGAL AGREEMENT—UNDERTAKING" shall be deleted.

35. In Appendix XXXVI, Form-IB shall be substituted by the following form :

### "FORM-IB

### CERTIFICATE OF PAYMENT TO BE ISSUED TO THE SUB-CONTRACTORS WHOSE NAME APPEARS IN THE MAIN CONTRACT

I, Certified that M/s. \_\_\_\_\_ is an Indian sub-contractor to \_\_\_\_\_ M/s. \_\_\_\_\_ (Main Contractor). The contract of the main contractor has been accepted by us vide No. \_\_\_\_\_ date \_\_\_\_\_. The name of the sub-contractor has been included in the main contract itself and the description, quantity and value of the goods which has now been supplied to us has already been indicated in the main contract. These supplies conform to the specifications laid down in the main contract.



2. It is also certified that the goods/equipment of quantity and value as described below and invoice No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_ have been supplied to us by the above mentioned sub-contractor on \_\_\_\_\_ (indicate the date of supply) against purchase order No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_ and we have paid to the sub-contractor, namely M/s. \_\_\_\_\_ the sum of Rs. \_\_\_\_\_ (Rupees in words) \_\_\_\_\_ on the \_\_\_\_\_ (indicate the date of payment) being \_\_\_\_\_ Percent of the value of the goods/equipment/capital goods supplied as per terms of the contract.

3. It is further certified that the supplies have been made in terms of the contract dated \_\_\_\_\_ entered into with the suppliers and the supplies have been accepted by us at the price stated in the invoice. We are satisfied that the supplies have been made at international prices.

OR

\*\*It is further certified that the supplies have been made in terms of the contract secured against international competitive bidding in the \_\_\_\_\_ project being undertaken by us and which is fully financed by the assistance from IBRD/IDA/ADB/Bilateral/Multilateral aid and the supplies have been accepted by us at the price stated in the invoice.

Signature—\_\_\_\_\_

Name—\_\_\_\_\_

Designation—\_\_\_\_\_

Name of the \_\_\_\_\_

Project/Agency—\_\_\_\_\_

Station—\_\_\_\_\_

Date—\_\_\_\_\_

Description, Quantity and Value of Goods supplied.

Signature—\_\_\_\_\_

Name—\_\_\_\_\_

Designation—\_\_\_\_\_

Name of the \_\_\_\_\_

Project/Agency—\_\_\_\_\_

Note :—

(1) Note 1 below Form I-A is equally applicable in this case.

(2) \*Applicable in the case of Deemed Export covered by sub paragraphs 12(a) to (e) of the Policy Book.

(3) \*\*Applicable in the case of other categories of Deemed Exports.

(4) In case of supplies to specified Fertilizer Projects the words "and which is fully financed by the assistance from IBRD/IDA/ADB/Bilateral/Multilateral aid" shall be deleted.

36. In Appendix XXXIX, in the entry at S.No. 33, the following clauses shall be added :—

"(v) Trimethyl Phosphite;

(vi) Di-isopropyl amine".

37. Appendix XLIII shall be deleted.

38. The following shall be added as Appendix XLVI :

"APPENDIX XLVI

PROFORMA FOR SEEKING CLARIFICATIONS ON  
IMPORT POLICY

1. Name and address of the unit or person seeking clarification.

2. Product manufactured.

3. Complete description (including specification/literature/catalogue, if available) of the item for which a clarification is required. (In the case of chemicals, please give technical name and synonyms, if any).

4. Whether the item was earlier imported and, if so, under what classification, i.e. give Entry No. and Appendix No. under which cleared by the Customs, alongwith the classification accepted by the Customs.

5. Details regarding end use i.e. whether raw material, components, spare, tooling, packing material or consumable. (For consumable, please indicate the process in which used).

6. Point of clarification.

7. Any other relevant information.

Note : The application is to be furnished in duplicate with literature/catalogue/technical specifications of the item requiring clarification."

The above amendments have been made in public interest.

D. R. MEHTA, Chief Controller of Imports & Exports